सं. 12011/01/2022-रा.आ.ए.

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग
राजभाषा प्रभाग

*****

कर्तव्य भवन-2, नई दिल्ली
दिनांक: 10 सितम्बर, 2026

कार्यालय ज्ञापन

विषय: हिंदी दिवस, 2026 के अवसर पर माननीय शिक्षा मंत्री का संदेश, मंत्रिमंडल के सचिव का संदेश एवं सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग की अपील परिचालित करने के संबंध में।

उपर्युक्त विषय के संबंध में, माननीय शिक्षा मंत्री का संदेश, मंत्रिमंडल के सचिव का संदेश एवं सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग की अपील इस आशय के साथ संलग्न है कि उसमें व्यक्त संदेश एवं संकल्प को आत्मसात करते हुए राजभाषा हिंदी के प्रभावी प्रयोग की दिशा में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

संलग्न: यथोक्त।

ह0/-
(अजय कुमार झा)
उप निदेशक (राजभाषा)
फोन नं. 011-24014904

सेवा में,

1. शिक्षा मंत्रालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी।
2. संस्थानों/परिषदों/विश्वविद्यालयों/समितियों/संगठनों/बोर्ड आदि के प्रमुख।

प्रतिलिपि सूचनार्थ:

1. संयुक्त सचिव (राजभाषा एवं प्रशासन)
2. सचिव, संसदीय राजभाषा समिति

10|09|2026
(अजय कुमार झा)

प्रल्हाद जोशी
PRALHAD JOSHI
ಪ್ರಲ್ಹಾದ ಜೋಶಿ

सत्यमेव जयते

शिक्षा, उपभोक्ता मामले,
खाद्य और सार्वजनिक वितरण तथा
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री
भारत सरकार
MINISTER OF EDUCATION, CONSUMER AFFAIRS,
FOOD & PUBLIC DISTRIBUTION AND
NEW & RENEWABLE ENERGY
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

हिंदी हमारी सांस्कृतिक विरासत, राष्ट्रीय अस्मिता और लोकतांत्रिक मूल्यों की सशक्त अभिव्यक्ति है। इसे ध्यान में रखते हुए ही भारतीय संविधान सभा द्वारा 14 सितंबर, 1949 को एक उन्नत, समृद्ध और लोकप्रिय भाषा हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया। हिंदी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि भारत की विविधता को एकता के सूत्र में जोड़ने वाली भाषा है। इसकी सरलता, व्यापकता और आत्मीयता इसे शासन, शिक्षा, ज्ञान-विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा जनसंपर्क का प्रभावी माध्यम बनाती है।

आज जब भारत 'विकसित भारत–2047' के संकल्प को साकार करने की दिशा में तीव्र गति से अग्रसर है, तब हिंदी सहित भारतीय भाषाओं की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। हिंदी में कार्य करना केवल संवैधानिक दायित्व का निर्वहन नहीं, बल्कि अपनी भाषायी विरासत के प्रति सम्मान, सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में हमारी सक्रिय भागीदारी का प्रतीक है।

हिंदी दिवस हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम हिंदी को केवल औपचारिक आयोजनों तक सीमित न रखें, बल्कि अपने दैनिक कार्य-व्यवहार का स्वाभाविक माध्यम बनाएँ। सरल, सहज और प्रभावी हिंदी के प्रयोग से प्रशासन अधिक पारदर्शी, जनहितकारी और उत्तरदायी बनता है। साथ ही, शिक्षा, शोध, नवाचार और डिजिटल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिंदी के व्यापक उपयोग से ज्ञान को हर व्यक्ति तक पहुँचाने का काम और अधिक सुदृढ़ होगा।

मुझे विश्वास है कि शिक्षा मंत्रालय तथा इसके सभी संबद्ध कार्यालयों, संस्थानों, संगठनों और विश्वविद्यालयों के अधिकारी एवं कर्मचारी हिंदी के प्रयोग को निरंतर बढ़ाने, राजभाषा संबंधी प्रावधानों के प्रभावी अनुपालन तथा हिंदी दिवस एवं हिंदी माह के अंतर्गत आयोजित गतिविधियों में उत्साहपूर्वक सहभागिता कर इस राष्ट्रीय दायित्व के निर्वहन में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

आइए, हम सब मिलकर हिंदी को ज्ञान, नवाचार, सुशासन और विकसित भारत के संकल्प की सशक्त भाषा बनाएँ। यही हिंदी दिवस की सच्ची सार्थकता होगी।

हिंदी दिवस के पावन अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

जय हिन्द !

प्र. वें. जोशी

(प्रल्हाद जोशी)

MoE - Room No. 21106, 1st Floor, Kartavya Bhavan-2, New Delhi-110001, Phone: 011-23015222, 23013290
E-mail: minister.sm@gov.in
Residence: 11, Akbar Road, New Delhi-110001, Tel.: 011-23018097, 23094098
Office of MP Dharwad: Chitaguppi Hospital Compound, Sir Siddappa Kambli Marg, Hubballi-580020 (Karnataka)

डॉ. टी.वी. सोमनाथन
Dr. T.V. Somanathan

सत्यमेव जयते

मंत्रिमंडल सचिव
भारत सरकार
CABINET SECRETARY
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

"हिंदी दिवस 2026" के अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ!

भारत की संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिंदी भाषा को 14 सितम्बर, 1949 को संघ की राजभाषा क रूप में मान्यता दी थी। भारत के संविधान के लागू होने के साथ ही, हिंदी केंद्र सरकार के कार्यालयों में कामकाज की आधिकारिक भाषा, अर्थात राजभाषा बन गई।

भाषा न केवल विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम होती है, अपितु सांस्कृतिक विरासत, राष्ट्रीय एकता और गौरव का प्रतीक भी होती है। हिंदी दुनिया की सबसे वैज्ञानिक भाषाओं में से एक है और यह संवाद की सहजता व सरलता की अपनी खूबी से देश के बड़े हिस्से को आपस में जोड़ती है। इसलिए, मेरा यह मानना है कि "हिंदी दिवस" का उद्देश्य केवल एक दिन का उत्सव मनाना नहीं है, अपितु इससे प्रेरित और प्रोत्साहित होकर हिंदी को अपने दैनिक सरकारी कामकाज में सदैव के लिए अपनाना है।

भाषा के क्षेत्र में आए दिन नये प्रयोग हो रहे हैं। इन सफल प्रयोगों और नई तकनीकों से अब कम्प्यूटर, लैपटॉप आदि इलैक्ट्रॉनिक उपकरणों पर भी हिंदी में काम करना आसान हो गया है। मैं आशा करता हूँ कि आप सभी अपने कार्यालयों में हिंदी में काम करने में गौरव का अनुभव करेंगे।

शुभकामनाओं के साथ !

शुभेच्छु

सोमनाथन

14 सितम्बर, 2026

(डॉ. टी. वी. सोमनाथन)

Cabinet Secretariat, Seva Teerth, Motilal Nehru Marg, New Delhi-110011
Tel.: 011-23016696, 23011241 Fax : 011-23018638 E-mail : cabinetsy@nic.in

दीप्ति गौड़ मुकर्जी, आईएएस
सचिव
Deepti Gaur Mukerjee, IAS
Secretary

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
उच्चतर शिक्षा विभाग
शिक्षा मंत्रालय
नई दिल्ली
Government of India
Department of Higher Education
Ministry of Education
New Delhi

अपील

प्रिय साथियों,

हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, राष्ट्रीय एकता और जन-जन की भावनाओं की सशक्त अभिव्यक्ति है। हमारी राजभाषा होने के नाते हिंदी देश के विविध भाषायी और सांस्कृतिक परिवेश को एक सूत्र में जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य करती है। यह प्रशासन को अधिक सरल, पारदर्शी और जनोन्मुख बनाने का प्रभावी माध्यम भी है।

आज भारत विश्व पटल पर नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर है। ऐसे समय में हिंदी का महत्व और भी बढ़ गया है। शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार, डिजिटल माध्यमों तथा वैश्विक संवाद के क्षेत्र में हिंदी अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है। यह हम सभी का दायित्व है कि हम अपने दैनिक कार्यों में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करें और इसे व्यवहार की सहज एवं स्वाभाविक भाषा बनाएँ।

हिंदी दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि अपनी भाषा के प्रति सम्मान, आत्मविश्वास और प्रतिबद्धता व्यक्त करने का अवसर है। यह दिन हमें यह संकल्प लेने के लिए प्रेरित करता है कि हम राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देंगे और अपने कार्यों में इसे प्राथमिकता देंगे।

मैं शिक्षा मंत्रालय तथा इसके सभी संबद्ध कार्यालयों, संस्थानों और संगठनों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आग्रह करती हूँ कि वे हिंदी दिवस, हिंदी पखवाड़ा अथवा हिंदी मास के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं, कार्यशालाओं और अन्य कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लें। साथ ही, अपने कार्यालयी कार्यों में अधिकाधिक हिंदी का प्रयोग करें तथा अपने सहयोगियों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

आइए, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हिंदी को केवल एक दिवस तक सीमित न रखकर अपने दैनिक कार्य-व्यवहार का अभिन्न अंग बनाएँ। हमारा प्रत्येक प्रयास राजभाषा हिंदी को और अधिक सशक्त, समृद्ध तथा जनोन्मुख बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

हिंदी अपनाएँ, हिंदी में कार्य करें और हिंदी के माध्यम से आत्मनिर्भर, सशक्त एवं विकसित भारत के निर्माण में अपना सक्रिय योगदान दें।

हिंदी दिवस के पावन अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ।

जय हिन्द! जय हिंदी!

(दीप्ति गौड़ मुकर्जी)

नई दिल्ली
02 सितम्बर, 2025

कमरा सं. 1072, 'सी' विंग, कर्तव्य भवन-2, नई दिल्ली-110001
Room No. 1072, 'C' Wing, Kartavya Bhawan-2, New Delhi-110001